9वॉ साहित्य मेला अपार सफलता के साथ सम्पन्न

कविता सिर्फ मनोरंजन की वस्तु नहीं, इसमें षिक्षा और सूचना का भी समावेष होना चाहिएःडॉ0 राममोहन

विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान, इलाहाबाद के तत्वावधान में 9वां साहित्य मेला हिन्दुस्तानी एकेडेमी में समारोह पूर्वक मनाया गया. इस अवसर पर पुस्तक प्रर्दशनी, काव्य पाठ, परिचर्चा एवं खुली चर्चा, बाल काव्य प्रतियोगिता व अलंकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री बी.एस.शांताबाई, प्रधान सचिव, कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति, बेंगलौर ने किया और मुख्य अतिथि श्री राम मोहन पाठक, निदेशक, मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता संस्थान, काशी विद्यापीठ, वाराणसी थे. इस अवसर पर विषिश्ट अतिथि के रूप में डॉ0 वेद प्रकाष कंवर, पूर्व राजदूत कनाडा व डॉ0सुखवर्श कंवर 'तन्हा', वरिश्ठ साहित्यकार नई दिल्ली उपस्थित थीं.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए डॉ0 राम मोहन पाठक ने हिन्दी को आम नहीं खास भाशा बताई. उन्होंने इंटरनेट पर विकृत हो रही हिन्दी को बचाने और अन्य भारतीय भाशाओं के सरंक्षण की अपील की. अंग्रेजी दवाओं के नाम हिन्दी में भी लिखे जाने की वकालत करने और इसके लिए राजभाशा विभाग की ओर से पुरस्कार के लिए नामित डॉ0 पाठक ने पुरजोर तरीके से कहा, साहित्य में समाज को बदलने की बड़ी ताकत है. कविता सिर्फ मनोरंजन की वस्तु नहीं, इसमें षिक्षा और सूचना का भी समावेष होना चाहिए. वर्तमान में कविता को सिर्फ मनोरंजन की दृश्टि से देखा जा रहा है. यही कारण है कि कविता और कवियों को जो सम्मान मिलना चाहिए वह नहीं मिला.

प्रथम सत्र में 'भ्रष्टाचार निवारण और साहित्यकारों की भूमिका' 'विषय पर आयोजित की गई. विदित हो कि परिचर्चा में पूर्व चयनित पांच विद्वजनों को ही मौका दिया जाता है. इसमें बोलते हुए जबलपुर, म.प्र. के विवेक रंजन श्रीवास्तव ने कहा कि 'भ्रष्टाचार की जड़ों को सूखाने के लिए साहित्यकार की लेखनी की स्याही पर्याप्त होती है. उसकी लेखनी में इतनी ताकत होती है कि भ्रष्टाचार के कण–कण को समाप्त कर सकता है. अंजाम, उड़ीसा से पधारे हरिहर चौधरी ने कहा 'रचनात्मक साहित्य भ्रष्टाचार को समाप्त करने में सक्षम होता है. वरिष्ठ समाज सेवी व चिन्तक रामकृष्ण गर्ग, इलाहाबाद, ने कहा कि भारत में भ्रश्टाचार का सबसे मुख्य कारण यहां की चुनाव प्रणाली है. चुनाव मत संकलन न होकर मत खरीदना हो गया है. इसके लिए धन–बल, जन–बल, बुद्धि–बल का प्रयोग किया जाता है. दूसरा चुनाव व्यक्तिगत खर्चे पर न होकर राश्ट्र के खर्चे पर

सम्पन्न कराया जाना चाहिए और चुनाव व्यक्ति न लड़कर, दल लड़े. राश्ट्रीय पार्टिया अपना चुनावी एजेडा देकर चुनाव लड़े, मतदान का जितना प्रतिषत उस दल को प्राप्त हो उस हिसाब से पहले से चयनित प्रत्याषियों को चयनित किया जाए. तीसरा भ्रश्टाचार के निवारण के लिए ऊपर से सफाई करने की जरुरत है. छत्तीसगढ़ से पधारे आर.मुत्थुस्वामी ने कहा कि यदि हम ईमानदार है तो हमारे कर्मो में भी ईमानदारी का गुण आ जाता है. साहित्यकार अपनी रचनाओं के माध्यम से लोगों में जागृति ला सकते हैं. आजादी के आन्दोलन में भी कवियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी.

प्रथम सत्र के दूसरे चरण में 15वर्श तक की उम्र के बच्चों का बाल काव्य प्रतियोगिता आयोजित की गई. इस प्रतियोगिता में निशा ज्योति संस्कार भारती विद्यालय की कृति केसरवानी प्रथम, कौशतुभ श्री तिवारी को द्वितीय और दरबारी इंटर कॉलेज की संस्कृति द्विवेदी को तृतीय स्थान मिला.

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में मु0 चांद जाफरपुरी–कौशाम्बी, बबीता शर्मा–गाजीपुर, डॉ0 अवधेश–गाजीपुर, डॉ0 प्रमोद कुमार श्रोतिय–उत्तराखंड, डॉ0 नरेश पाण्डेय 'चकोर'–पटना, बिहार, डॉ0 गार्गी शरण मिश्र 'मराल', विवेक रंजन श्रीवास्तव–जबलपुर, म0प्र0, शिवकरन सिंह–हमीरपुर, उ.प्र., डॉ0 विजयालक्ष्मी रामटेके– नागपुर, महाराष्ट्र, आर.मुत्थुस्वामी–छत्तीसगढ़, हरिहर चौधरी–गंजाम, उड़ीसा, डॉ0 अशोक पाण्डेय 'गुलशन', प्रदीप प्रचण्ड–बहराइच, उ.प्र., शिवानन्द सिंह सहयोगी–मेरठ, उ.प्र., डॉ0 दुर्गाशरण मिश्र–इलाहाबाद, उ.प्र., मो0 अन्सार शिल्पी–कौशाम्बी उ.प्र., राम लखन अनुरागी–इलाहाबाद, उ.प्र. आदि कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया.

इसके बाद अलंकरण समारोह में कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति की प्रधान सचिव सुश्री बी. एस.शांताबाई का उनके द्वारा हिन्दी के प्रति किए गए उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अभिनंदन किया गया. अभिनंदन पत्र संस्था सचिव डॉ0 गोकुलेष्वर द्विवेदी ने पढ़ी और कार्यकारी अध्यक्ष डॉ0 तारा सिंह ने संस्थान की तरफ से यह अभिनंदन पत्र भेंट किया. इस अवसर पर संस्थान द्वारा डॉ0 वेदप्रकाश कंवर, व सुखवर्ष कंवर 'तन्हा' नई दिल्ली, हितेश कुमार शर्मा, बिजनौर, उ.प्र. को साहित्य गौरव, अशोक गुलशन, बहराइच, को 'काव्य रत्न', राम अवतार शर्मा, आगरा को 'राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान', हरिहर चौधरी, अंजाम उड़ीसा को 'हिन्दी सेवी सम्मान', शिवानंद सिंह सहयोगी, मेरठ, व श्री शिवकरन सिंह, पीलीभीत को 'विहिसा अलंकरण', डॉ0 राम नारायण सिंह 'मधुर', वाराणसी, व विवेक रंजन श्रीवास्तव, जबलपुर, को 'कैलाश गौतम सम्मान', डॉ0 विजया लक्ष्मी रामटेके, नागपुर,

महाराष्ट्र व प्रमोद कुमार श्रोतिय, पिथौरागढ़ को शिक्षकश्री, सम्मान से सम्मानित किया गया। हिन्दी विषय में सर्वाधिक अंक पाने वाले छात्र/छात्रा को दिया जाने वाला हिन्दी उदय सम्मान इलाहाबाद की शिवानी श्रीवास्तव को दिया गया।

पत्रकारों के लिए गठित मीडिया फोरम ऑफ इडिया सोसायटी की ओर पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ0 राममोहन पाठक, वाराणसी, सचीन्द्र श्रीवास्तव, इलाहाबाद, को पत्रकार गौरव, बालकृश्ण पाण्डेय, अधिवक्ता इलाहाबाद, डॉ0 सुहैल, सत्य प्रकाष को समाज गौरव, एम.कलाम राईन को पत्रकार श्री की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही सुश्री बी.एस.षांताबाई, प्रधानसचिव कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति एवं संपादिका हिन्दी प्रचार वाणी ने कहा–'हिन्दी साहित्य से ही समाज को दिषा मिलती है. आज युवाओं का झुकाव हिन्दी के प्रति हो रहा है. यह षुभ संकेत है लेकिन जिस अनुपात में होना चाहिए वह नहीं हो रहा है. युवाओं में विकृत हिन्दी का समावेष हो रहा है. जिसे हिग्लिष नाम से जाना जाने लगा है. यह हिन्दी के लिए कश्टकारी है.

कार्यक्रम का संचालन मो. अन्सार शिल्पी और संगीता बलवन्त ने किया. अतिथियों का स्वागत संस्थान के संयुक्त सचिव ईश्वर शरण शुक्ल ने किया. धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के सचिव व कार्यक्रम संयोजक डॉ0 गोकुलेश्वर कुमार द्विवेदी ने किया.

इस अवसर पर हिन्दी दैनिक हिन्दुस्तान के स्थानीय संपादक दयाषंकर षुक्ल 'सागर', अमर उजाला हिन्दी दैनिक के अनिल सिद्धार्थ, डॉ0 वी.पी.सिंह, वृन्दावन त्रिपाठी 'रत्नेष', नन्दलाल हितैषी, महेन्द्र कुमार अग्रवाल, राजकिशोर भारती, नरेष पाण्डेय 'चकोर' पटना, गार्गी षरण मिश्र 'मराल, महेन्द्र कुमार, विनोद कुमार पाण्डेय, राजकुमार सिंह, संकल्प सिंह, सदाशिव विश्वकर्मा, लवकुश, मनमोहन सिंह कुशवाहा, पतविन्दर सिंह, अनसुइया अग्रवाल, दुकान जी सहित सैकड़ों की संख्या में साहित्यकार व हिन्दी प्रेमी उपस्थित थे.